अनुवाद रूप 2021

EAST-WEST SEED FOUNDATION

KNOWLEDGE TRANSFER

फसल लगाने की मार्गदर्शिका
टमाटर

HINDI

• खेत की जुताई और पुर्वतैयारी

» सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
» जैविक अथवा प्लास्टिक मल्च को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता हैं ।
»रोपाई के 8-10 दिन बाद ट्रेलिस स्थापित करे
» 26,600 पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)

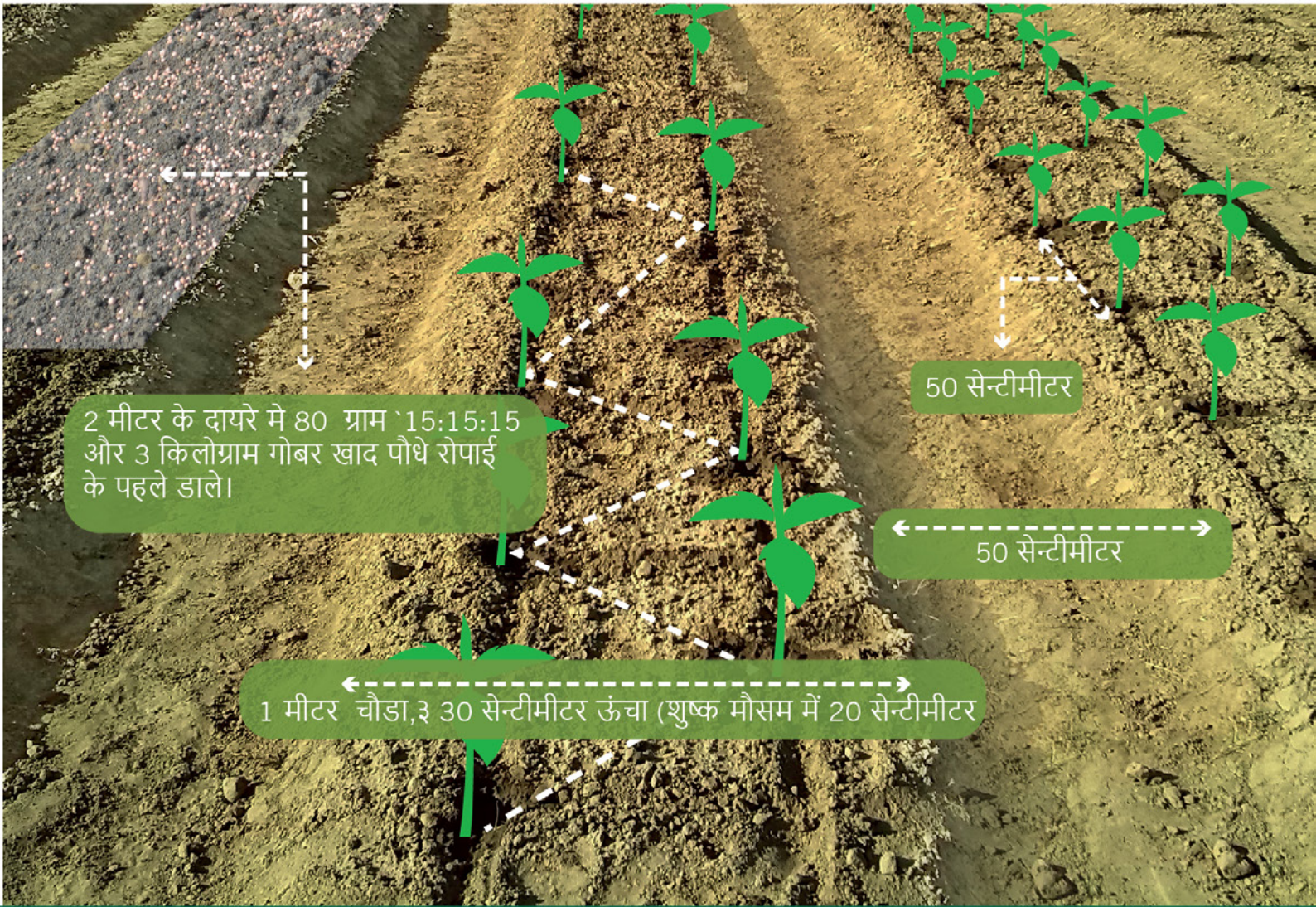

• पौधे तैयार करना

◆ मीडिया तैयार करना; १० मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप मे आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे म ें डालना।

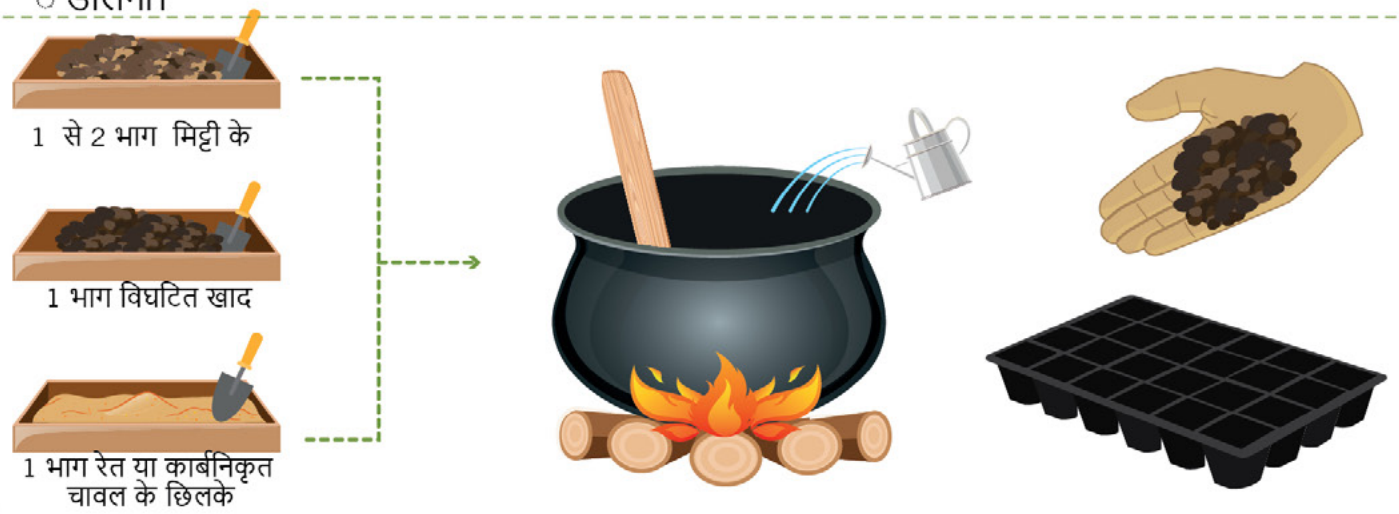

◆ बीज बोना और पौधो की रक्षा करना।

◆ नमी बराबर रखना

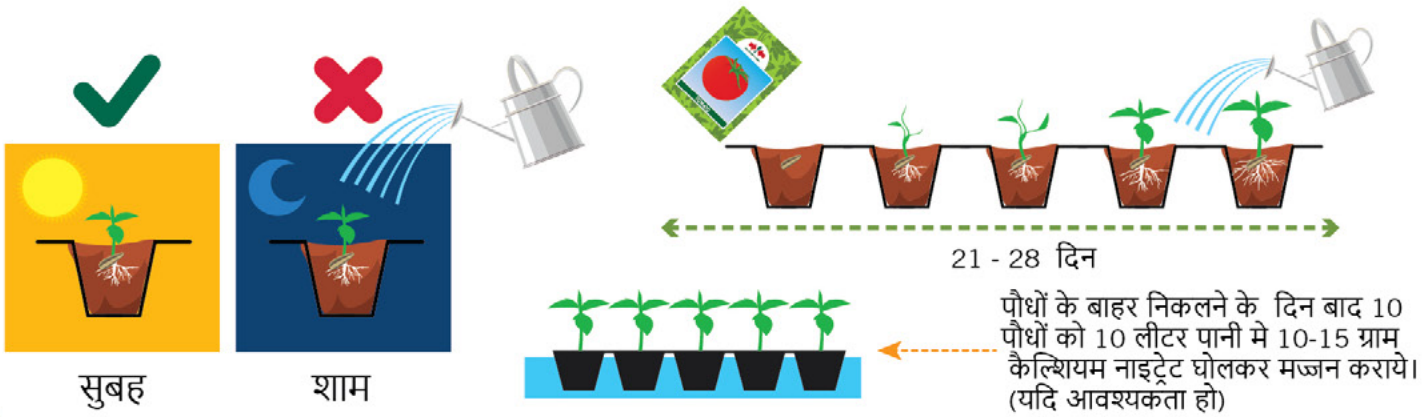

◆ पुर्व रोपण के 5-7 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके,पौधों को धूप देना जरुरी है।

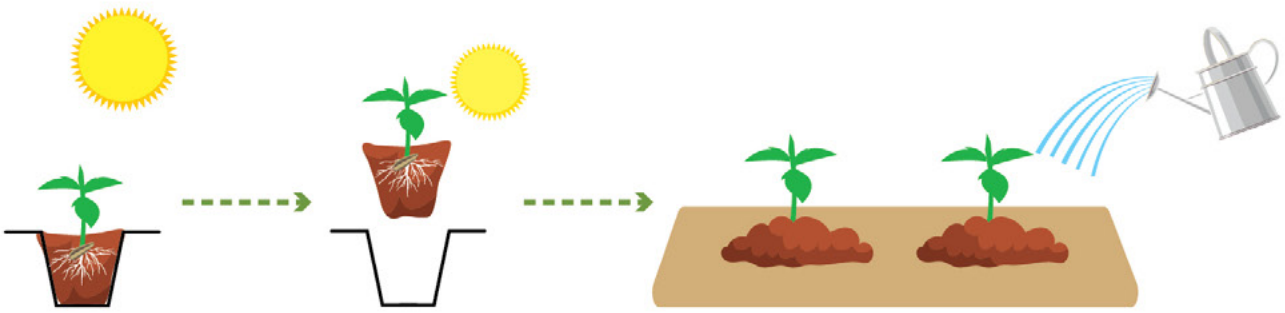

• खाद व्यवस्थापन

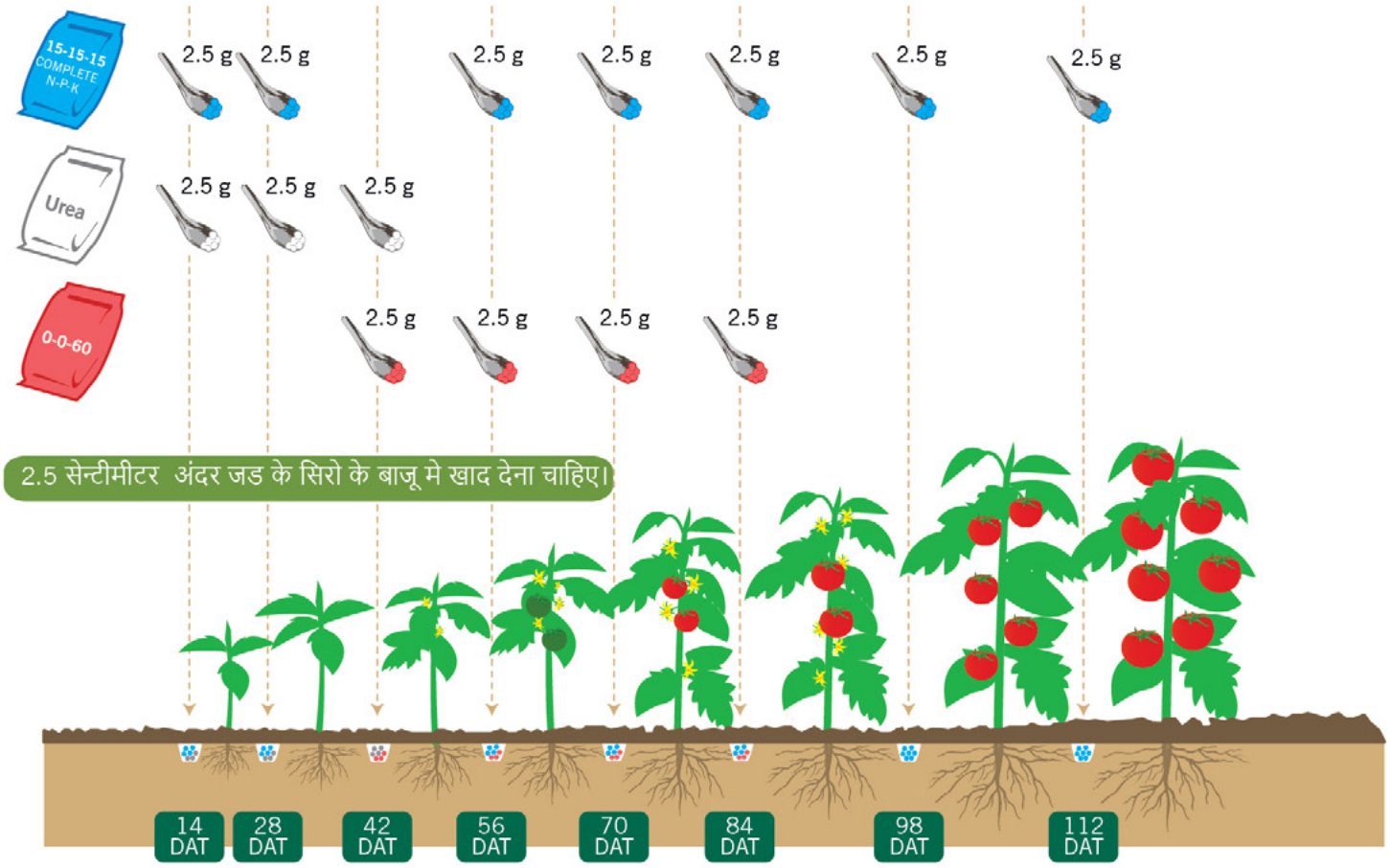

फसल में खाद की अनुशंसित मात्रा २६,६०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है।खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

• एकीकृत कीट प्रबंधन

» स्टिकी ट्रेप का उपयोग कीटों की निगरानी व अधिक संख्या मे कीटों को पकड़ने के लिए करे।

रोगो के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों , पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दे व हटा दें।

फसल चक्रण करने से कीट और रोग रूकते है और मिट्टी की उर्वरता भी बढती है।

• एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपुर्वक उपयोग।

» प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
» हमेंशा कीटनाशक पर्चा पढे।

किटो के प्रकार

माहु

सफेदमक्खी

इल्ली

लीफ माइनर

लिरोमाइजा

लाल मकडी

क्रियाशील घटक	कारवाई \की विधि	क्रिया	माहु	सफेदमक्खी	इल्ली	लीफ माइनर	लिरोमाइजा	लाल मकडी
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✔	✔	✔	✔	✔	✔
डॅनोटोफुरान	4A	S	✔	✔			✔	
स्पिनोसाड	5	S			✔	✔	✔	
स्पानेटोरम	5	SC			✔	✔	✔	
अबेकटीन	6	SC (अल्प)			✔	✔	✔	✔
थँयोसायलम ऑक्सिलटे	14	SC	✔	✔			✔	
क्लोरानट्रानिलीप्रोल	28	S			✔	✔		
फ्लुबेडाअमिड	28	S			✔	✔		
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C			✔	✔		
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क	UN	अनजान	✔	✔	✔	✔	✔	✔

Mode of Action (MoA) =क्रिया की विधि ; SC (पेट + संपर्क); S (प्रणाली के अनुसार)

रोगो के tप्रकार

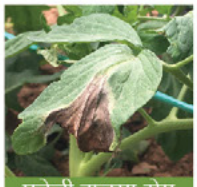
पछेती झुलसा रोग

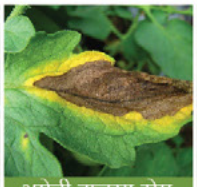
अगेती झुलसा रोग

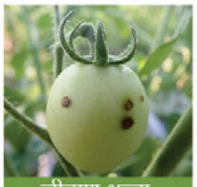
जीवाणु धब्बा

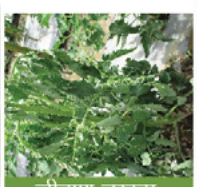
जीवाणु उखटा

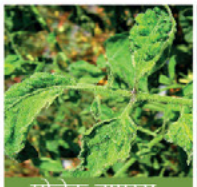
मोजेक वायरस

पर्ण कुन्चन विषाणु

क्रियाशील घटक	कारवाई \की विधि	क्रिया	टिप्पणी	पछेती झुलसा	अगेती झुलसा	जीवाणु धब्बा	जीवाणु उखटा	मोजेक वायरस	पर्ण कुन्चन विषाणु
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P	जीवाणु रोग के लिए :सिर्फ आवश्यकता अनुसार उपयोग करे : संभावित प्रतिरोध से बचने के लिए अत्यधिक उपयोग न करे।	✔	✔	✔	✔		
क्लोरोथानॉल	M 05	P		✔	✔				
मॅनकोझेब	M 03	P		✔	✔				
आझोक्सस्रोबिन	11	P + C	एक फसल चक्र के लिये अधिकतम चार बार ।	✔				खेत मे धुम्रपान से बचे।	कीट वेक्टर प्रबंध जैसे सफेदमक्खी।
प्रोपमोकार्ब	28	P + C		✔					
सामोक्जानिल	27	C	प्रतिबंध का समूहिकरन (क्लोरोथालोनील और मैनकोजेब)	✔					
मेटालॉसी	4	P + C	प्रतिरोध क्षमता बढने की संभावना (2बार इस्तेमाल करे)	✔					
बैसिलस सबटालिस	BM02	P		✔	✔	✔	✔		
							प्रतिरोधी किस्म अथवा रोगमुक्त पौधे का उपयोग करे।		

Mode of Action (MoA) कारवाई की विधि ; P= प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी।, C=रोगनिवारक

1.
सुरक्षित इस्तेमाल करे

2.
अच्छा मौसम

3.
अच्छे नोझझेल

4.
छिडकाव के बाद अच्छे से धोये ।

https://growhow.eastwestseed.com

इस फसल मार्गदर्शिका की पुष्टी ईस्ट-वेस्ट सीड फौंडेशन की जानकारी शृंखला का भाग है,© 2021 कॉपीरीइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फॉन्डेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है। कृषि रसायनों की संस्तुति वागेनिन्गेन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।

WAGENINGEN UNIVERSITY & RESEARCH